DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

अमर उजाला
NAME OF NEWSPAPERS---- नई दिल्ली | शुक्रवार, 2 जनवरी 2026 --DATED----------

नरेला सब सिटी को एजुकेशन सिटी से जोड़ेगा मास्टर प्लान रोड पर नया ब्रिज

एजुकेशन सिटी, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और भविष्य की बड़ी परियोजनाओं के लिए अहम कड़ी

आदित्य पाण्डेय

नई दिल्ली। नरेला सब सिटी और प्रस्तावित एजुकेशन सिटी के बीच लंबे समय से चली आ रही दूरी अब खत्म होगी। डीडीए मास्टर प्लान रोड पर एक नया ब्रिज बनाने जा रहा है, जो आई एंड एफसी ड्रेन से कटे दुर्गम माने जा रहे इलाके को सीधे मुख्य सड़क नेटवर्क से जोड़ेगा। इस ब्रिज के बनते ही नरेला में शिक्षा, आवास और खेल से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं को रफ्तार मिलेगी और हजारों लोगों के लिए आवाजाही आसान हो जाएगी।

नरेला सब सिटी के विकास को नई दिशा देने की तैयारी में डीडीए ने ये अहम कदम उठाया है। मास्टर प्लान रोड के तहत बनने वाला यह नया ब्रिज नरेला के सेक्टर जी-7 और जी-8 को सीधे शहर के बाकी हिस्सों से जोड़ेगा। फिलहाल यह इलाका आई एंड एफसी ड्रेन से घिरा हुआ है, जिस वजह से यहां पहुंचना मुश्किल रहा है और विकास कार्य भी सीमित दायरे में अटके हुए हैं। ब्रिज बनने के बाद यह बाधा दूर हो जाएगी।

डीडीए ने इस ब्रिज निर्माण के लिए ई-टेंडर आमंत्रित किए हैं। अनुमानित लागत 21,59,370 रुपये तय की गई है। टेंडर की शर्तों के मुताबिक, काम शुरू होने के बाद इसे 60 दिनों के भीतर ही पूरा किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है, ताकि काम में पारदर्शिता बनी रहे और समय पर निर्माण शुरू हो जाए।

एजुकेशन सिटी को मिलेगी रफ्तार : डीडीए के अधिकारियों के मुताबिक, नरेला सब सिटी में यह ब्रिज सिर्फ एक संरचना नहीं, बल्कि पूरे इलाके के भविष्य की नींव है। इस ब्रिज के जरिए सबसे बड़ा फायदा प्रस्तावित एजुकेशन सिटी को मिलेगा। यहां स्कूल, कॉलेज, रिसर्च सेंटर, हॉस्टल और उससे जुड़ी सुविधाएं विकसित की जानी हैं। अभी तक इस क्षेत्र में सीधी सड़क सुविधा न होने से निर्माण और योजना दोनों में दिक्कत आ रही थी। ब्रिज बनने के बाद एजुकेशन सिटी तक सीधी और सुरक्षित पहुंच मिल जाएगी। इससे यहां पढ़ने वाले हजारों छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और आने वाले लोगों के लिए आवागमन आसान होगा। साथ ही हॉस्टल, होटल और खेल सुविधाओं से जुड़े काम भी तेजी से आगे बढ़ सकेंगे। यह ब्रिज नरेला में बन रहे अन्य बड़े विकास केंद्रों के लिए भी अहम साबित होगा।

ई-टेंडर से तेज होगी निर्माण प्रक्रिया : डीडीए के नॉर्थ प्रोजेक्ट डिवीजन-6 के कार्यकारी अभियंता की ओर से जारी ई-टेंडर के मुताबिक, 6 जनवरी तक जरूरी दस्तावेज सीपीपी पोर्टल पर अपलोड होंगे। इसके अगले दिन तकनीकी बोली खोली जाएगी और फिर वित्तीय बोली की तारीख तय की जाएगी।

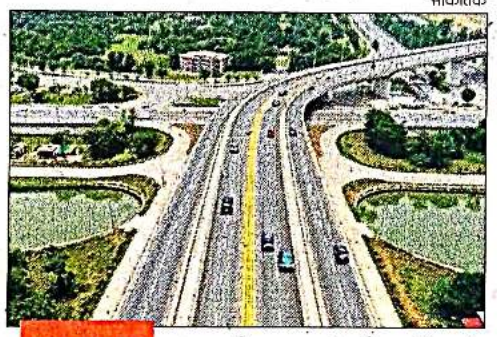

मांकेतिक

21.59 लाख की लागत से बनेगा ब्रिज, 60 दिनों में पूरा करना होगा काम

- डीडीए के मुताबिक यह ब्रिज नरेला मास्टर प्लान का अहम हिस्सा है। भविष्य में मेट्रो विस्तार, औद्योगिक हब और लैंड पूलिंग के तहत विकसित होने वाले क्षेत्रों को भी इससे बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। यानी यह सिर्फ आज की जरूरत नहीं, बल्कि इसे आने वाले साल में विकास को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। मास्टर प्लान रोड पर बनने वाला यह नया ब्रिज नरेला सब सिटी और एजुकेशन सिटी को एक मजबूत धागे में पिरो देगा। इससे हजारों लोगों को सीधा और अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, विकास कार्यों को रफ्तार मिलेगी और नरेला दिल्ली के तेजी से उभरते शहरी केंद्र के रूप में मजबूत होगा।

ब्रिज नरेला मास्टर प्लान का अहम हिस्सा

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---------- THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI SATURDAY, JANUARY 3, 2026 --DATED----------

Flying Course On History Of Kites At 3-Day Baansera Fest

Gallery, Photo Exhibition, Food Stalls And String Of Other Events Planned

Vibha.Sharma
@timesofindia.com

New Delhi: Kite flying is not just a recreational activity; it carries a rich historical legacy. Over centuries, kites were used in warfare, military observation, communication and surveillance, and they hold deep strategic as well as cultural significance in India and many other countries.

At Baansera, enthusiasts will not only get the opportunity to fly kites across vast open lawns but also learn about the fascinating stories and traditions associated with this age-old practice. Delhi Development Authority (DDA) will organise a three-day kite festival from Jan 16-18 at Baansera, introducing several recreational and cultural elements beyond traditional kite flying.

The theme, "History and Significance of Kites," will be showcased through a pavilion that will give visitors an immersive and educational walkthrough. The pavilion will trace the origin and evolution of kites from ancient times to the modern era through a chronological display. "Display panels will focus on historical milestones, materials used, evolving techniques and cultural relevance across civilisations," said an official. Visitors will first be introduced to various types and shapes of kites popular in India and across the world.

A curated gallery will highlight the use of kites in wars, including their role in military observation and other tactical purposes. This section will feature fighter kites, symbolic kites and historical references, supported by informative panels, sketches, archival images, models or replicas. The event will also feature displays of kites in various shapes and forms, accompanied by descriptive write-ups explaining their origin, design, materials, flying techniques and regional significance.

Another major attraction will be a high-resolution photo exhibition showcasing iconic moments of kite flying, international kite festivals, record-breaking kites, traditional kite culture and artistic kite forms. In addition to the kite exhibits, the festival will host stalls serving traditional food and cultural performances by folk artistes from various states. Special play zones and recreational activities will be arranged for children, and entry to the event will be free for the general public and participants.

The International Kite Festival at Baansera will see participation from national and international kitists. For sports enthusiasts, two traditional kitist stalls of adequate size will be set up to supply kites, safe flying thread and related accessories. The festival is expected to garner a footfall of around 3,000 visitors per day.

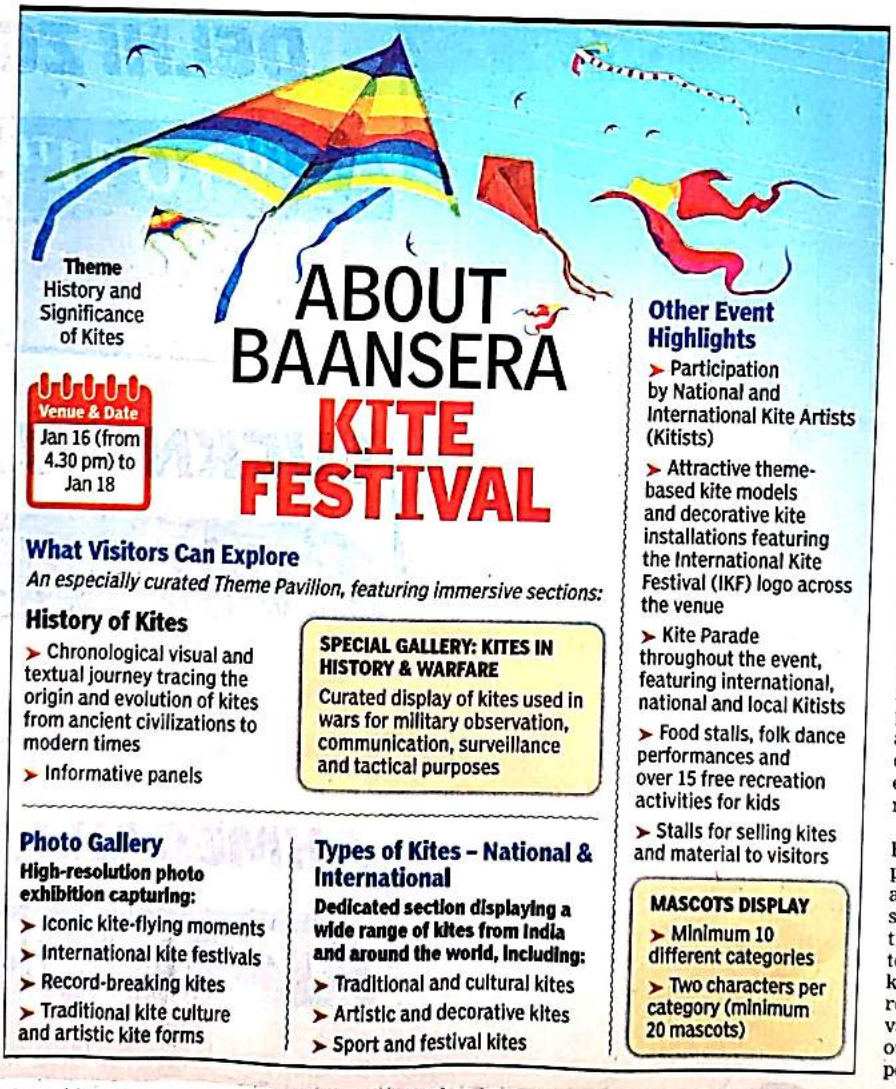

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS हिन्दुस्तान नई दिल्ली शनिवार 3 जनवरी 2026 DA दैनिक जागरण नई दिल्ली, 3 जनवरी, 2026

पीएम उदय योजना के लिए आज और कल कैंप

डीडीए पीएम उदय योजना के तहत शनिवार व रविवार को कई स्थानों पर सिंगल विंडो कैंप फेज-2 लगाएगा। इन कैंपों में नए पंजीकरण, आवेदन भरने और दस्तावेज तैयार करने में सहायता मिलेगी। http://dda.gov.in पर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

दिल्ली के जैव विविधता पार्कों में पौधरोपण होगा

नई दिल्ली। राजधानी के जैव विविधता पार्कों में जल्द पौधरोपण अभियान शुरू किया जाएगा। दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से असिता, बांसेरा और अमृत जैसे बायो-डायवर्सिटी पार्कों में पौधे लगाए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक, पिछले तीन वर्षों में यमुना डूब क्षेत्र सहित एक हजार एकड़ से अधिक भूमि पर ऐसे पार्क विकसित किए गए हैं। अभियान के तहत लोगों को यमुना क्षेत्र की सफाई और संरक्षण के लिए भी जागरूक किया जाएगा।

बांसेरा पार्क में 16 से 18 तक पतंग उत्सव

राज्य, जागरण ● नई दिल्ली: दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) अपने विभिन्न पार्कों में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए इवेंट प्रबंधन एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपेगा। इसी कड़ी में डीडीए ने निविदा जारी की है। इसके अनुसार बांसेरा पार्क में 16 से 18 जनवरी के दौरान पतंग उत्सव आयोजित करने के लिए डीडीए इवेंट प्रबंधन एजेंसी को जिम्मेदारी देगा। इवेंट एजेंसी को यह जिम्मेदारी सात वर्षों के लिए दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के अन्य स्थानों पर स्थित डीडीए के पार्कों में कार्यक्रम व समारोह के आयोजनों को लेकर भी इस तरह की पहल शुरू करेंगे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---- हिन्दुस्तान नई दिल्ली, रविवार, 4 जनवरी 2026 ----DATED----

पीएम उदय योजना के लिए आज कैंप लगेंगे

डीडीए की ओर से पीएम उदय योजना को लेकर रविवार को विभिन्न स्थानों पर सिंगल विंडो कैंप लगाए जाएंगे। फेज-2 के तहत इन कैंपों में नए पंजीकरण, आवेदन भरने और दस्तावेज तैयार करने में सहायता दी जाएगी। http://dda.gov.in/ पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

डीडीए की आवासीय योजना लॉन्च

अच्छी खबर

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की टावरिंग हाइट्स ईस्ट दिल्ली हब, कड़कड़डूमा हाउसिंग स्कीम 2026 को शनिवार को लॉन्च कर दिया गया है।इस आवासीय योजना में टू बीएचके फ्लैट पहले आओ पहले पाओ के आधार पर लोगों को बुकिंग के आधार पर उपलब्ध होंगे।

इस आवासीय योजना के तहत डीडीए प्रशासन द्वारा 741 फ्लैटों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर पंजीकरण व बुकिंग प्रक्रिया शुरू की जा रही है।इसके लिए वन टाइम पंजीकरण शुल्क 2500 रुपये में कर सकते हैं। जबकि प्रत्येक फ्लैट की बुकिंग के लिए चार लाख रुपये में फ्लैट खरीदार कर सकेंगे। इसमें रिटेल श्रेणी में एक से अधिक फ्लैटों की बुकिंग करने के लिए कोई प्रतिबंध नहीं है।

इस आवासीय योजना के पंजीकरण 8 जनवरी को शुरू होंगे। लोगों को आवासीय योजना का ब्रॉशर भी उपलब्ध होगा। फ्लैटों की बुकिंग प्रक्रिया 23 जनवरी से शुरू होगी और आवासीय योजना का समापन 31 मार्च को होगा।एक आवेदक अधिकतम 10 फ्लैट तक बुक कर सकता है। डीडीए अधिकारियों ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य शहर में सुलभ और व्यवस्थित आवास उपलब्ध कराना है। फ्लैटों की बुकिंग और ब्लॉक आवंटन प्रक्रिया पारदर्शी होगी।

सरकारी कर्मचारियों के लिए भी अवसर

अधिकारियों ने बताया कि फ्लैट खरीदारों में सरकारी कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है। इसमें सरकारी कर्मचारियों के लिए ब्लक फ्लैटों के आवंटन के लिए टावरिंग हाइट्स में एक टॉवर में 107 फ्लैट उपलब्ध हैं। इसमें पीरपांजल, विंध्या, शिवालिक और सतपुरा जैसे टॉवरों को शामिल किया गया है। इसमें एक आवेदक अपने आवश्यकता के अनुसार दस फ्लैटों को बुक कर सकते हैं। ब्लक आवंटन में केंद्रीय, राज्य सरकार व विभाग, केंद्रीय व राज्य सरकार के विश्वविद्यालय व संस्थान व पीएसयू और अन्य स्वायत्त निकायों के कर्मचारियों को शामिल किया है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-------संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । 4 जनवरी 2026 TED-----------

पतंगबाज़ी के लिए हो जाएं तैयार, आ रहा है काइट फेस्टिवल

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली के आसमान मे लहराती तरह-तरह की रंग बिरंगी पतंगो की उड़ान को देखने के लिए तैयार हो जाएं। 16 जनवरी से बांसेरा पार्क, सराय काले खां मे 'इंटरनैशनल काइट फेस्टिवल' शुरू होगा, जहां पतंगो की उड़ान ही नही, उसके इतिहास, उसकी संस्कृति, उसकी कला को जानने-पहचानने का भी मौका मिलेगा। डीडीए की ओर से यमुना किनारे स्थित बांसेरा पार्क मे इस तीन के फेस्टिवल मे छोटी-बड़ी, अलग-अलग आकार और चेहरे वाली पतंगे नजर आएंगी।

डीडीए के इस सालाना फेस्टिवल मे इस बार एक स्पेशल पविलियन भी नजर आएगा, जिसमे देश-विदेश की तरह-तरह की पतंगो को देखने का मौका मिलेगा। इस पविलियन मे पहुंचकर लोग जानेगे कि पतंगो का इतिहास क्या है, इसका विकास कैसे हुआ, कैसे-कैसे डिजाइन आते रहे और

इस फेस्टिवल मे एक और बड़ा आकर्षण होगा फोटो एग्जिबिशन। इस एग्जिबिशन मे पतंगो की खूबसूरत तस्वीरें निहारी जा सकती है।

एक ओर पतंगो से भरा आसमान होगा, तो दूसरी ओर सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजनो से उत्सव सजेगा। खेलने के लिए स्पेशल कॉर्नर भी होगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---------- DATED----------

Sunday Pioneer
NEW DELHI | SUNDAY | JANUARY 4, 2026

DDA launches second phase of Towering Heights project

PIONEER NEWS SERVICE
New Delhi

The Delhi Development Authority (DDA) on Saturday launched the second phase of its housing scheme 'DDA Towering Heights' located in Karkardooma.

Under the project management supervision of CC, DDA's Towering Heights has been designed as a premium residential address featuring a 48-storey, 155-metre-high tower, making it Delhi's tallest residential building.

"Under the scheme, a total of 741 flats shall be offered to individuals (retail buyers) on First Come First Serve basis. In addition, 107 flats located in RH-02 Block Towers namely Pirpanjal, Vindhya, Shivalik and Satpura are earmarked for bulk allotment to Government Institutions," a statement from DDA said.

Towering Heights is the city's first housing initiative developed under Delhi's Transit Oriented Development (TOD) policy. The TOD concept aims to establish integrated, high-density, and highly accessible urban areas that prioritise pedestrian movement. DDA officials said the registration process for the flats will commence on January 8 and the scheme will end in March this year.

DDA said these flats are presently under construction, with more than 90 per cent completion, and as such, only 75 per cent of the total disposal cost shall be payable by the allottees. The initial Demand-cum-Allotment Letter will indicate 75% of the disposal cost.

The Demand-cum-Allotment Letter (DAL) for the remaining 25 per cent shall be issued once the construction of flats is completed and flats are ready for possession, which is expected in July 2026. 3. The tentative disposal price of the flats does not include maintenance charges & GST thereon, conversion charges and water connection charges. GST shall also be applicable on the disposal price at the applicable rates, which at present is 5 per cent.

"Applications under the Bulk Purchase category shall be processed on First Come First Serve (FCFS) basis, and priority shall be determined based on the date and time of receipt of complete applications, subject to fulfillment of eligibility criteria and availability of flats," it said. This is the first housing project developed under Delhi's Transit Oriented Development (TOD) policy.

millenniumpost
NEW DELHI | SUNDAY, 4 JANUARY, 2026

DDA launches 2nd phase of 'Towering Heights' project

NEW DELHI: The Delhi Development Authority (DDA) on Saturday launched the second phase of its housing scheme 'DDA Towering Heights' located in Karkardooma.

Under the project management supervision of NBCC, DDA's Towering Heights has been designed as a premium residential address featuring a 48-storey, 155-metre-high tower, making it Delhi's tallest residential building. "Under the scheme, a total of 741 flats shall be offered to individuals (retail buyers) on First Come First Serve basis. In addition, 107 flats are earmarked for bulk allotment to government institutions," a statement from DDA said.

The registration for the flats will commence from January 8.

AGENCIES

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

amarujala.com
NAME OF NEWSPAPERS------ नई दिल्ली | रविवार, 4 जनवरी 2026 DATED------

पूर्वी दिल्ली में मिलेगा आशियाना डीडीए टावरिंग हाइट्स स्कीम लॉन्च

कड़कड़डूमा में दो बीएचके 848 फ्लैट, 23 जनवरी से शुरू होगी बुकिंग 741 फ्लैट आम नागरिकों जबकि शेष 107 फ्लैट सरकारी संस्थानों के लिए

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में घर खरीदने का सपना देख रहे लोगों के लिए डीडीए खास मौका लेकर आया है। डीडीए ने कड़कड़डूमा इलाके में टॉवरिंग हाइट्स स्कीम शुरू कर दी है। ये योजना पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर लागू होगी। फ्लैटों की बुकिंग 23 जनवरी से शुरू होगी। इस योजना में कुल 848 दो बीएचके फ्लैट दिए जा रहे हैं। इनमें से 741 फ्लैट आम नागरिकों के लिए हैं, जबकि 107 फ्लैट सरकारी संस्थानों के लिए अलग रखे गए हैं।

सभी फ्लैट कड़कड़डूमा ईस्ट दिल्ली हब में बनाए जा रहे हैं। इनका निर्माण 90 फीसदी से ज्यादा पूरा हो चुका है। आम खरीदारों के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन होगा। जो लोग घर खरीदना चाहते हैं, वे डीडीए के आवास पोर्टल eservices.dda.org.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पोर्टल पर पहली बार पंजीकरण कराने के लिए 2,500 रुपये शुल्क देना होगा। जो लोग पहले से पंजीकृत हैं, उन्हें दोबारा शुल्क नहीं देना पड़ेगा। हर फ्लैट के लिए 4 लाख रुपये की बुकिंग राशि तय की गई है। यह राशि वापस नहीं होगी, लेकिन फ्लैट की कुल कीमत में जोड़ दी जाएगी। डीडीए ने स्पष्ट किया है कि एक व्यक्ति रिटेल श्रेणी में एक से अधिक फ्लैट भी बुक कर सकता है।

टावरिंग हाइट्स का मॉडल। फोटो : डीडीए

एआई जनरेटेड इमेज।

सरकारी कर्मी ऑफलाइन करेंगे आवेदन

सरकारी संस्थानों के लिए कड़कड़डूमा के आरएच-2 ब्लॉक में पीरपंजाल, विंध्य, शिवालिक और सतपुड़ा टावरों के 107 फ्लैट तय किए गए हैं। थोक खरीद के लिए कम से कम 10 फ्लैट लेने होंगे। केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रालय, विभाग, विश्वविद्यालय, पीएसयू और स्वायत्त संस्थान इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन डीडीए के प्रधान आयुक्त (आवास) कार्यालय में जमा कराने होंगे।

जुलाई में मिल जाएंगे फ्लैट

भुगतान को लेकर डीडीए ने बताया कि फिलहाल फ्लैट निर्माणाधीन हैं, इसलिए कुल कीमत का केवल 75 फीसदी ही देना होगा। शेष 25 फीसदी राशि तब ली जाएगी, जब फ्लैट पूरी तरह बनकर कब्जे के लिए तैयार हो जाएंगे। डीडीए के मुताबिक जुलाई तक फ्लैट तैयार होने की संभावना है। फ्लैट की घोषित कीमत में रखरखाव शुल्क, जीएसटी, कन्वर्जन शुल्क और पानी कनेक्शन शुल्क शामिल नहीं हैं। वर्तमान में फ्लैटों पर 5 फीसदी जीएसटी लागू होगा। योजना का विस्तृत ब्रोशर 8 जनवरी को मिलेगा। उसी दिन से पंजीकरण भी शुरू होगा।